विद्यार्थियों ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की जुटाई जानकारी

नभ-छोर न्यूज ⏭ 21 अप्रैल

हिसार। दयानन्द महाविद्यालय के बीएससी मेडिकल के छात्रों के लिए उनके अध्ययन पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया। दौरे का उद्देश्य छात्रों को अपशिष्ट उपचार और पुनः उपयोग की प्रक्रिया से परिचित करना था। दौरे में विद्यार्थियों को ट्रीटमेंट प्लांट के सभी विवरणों और लाभों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को विभिन्न कक्ष दिखाए गए जहां सीवरेज का सेंट्रिप्यूज किया जाता है। दौरे के दौरान छात्रों को उपचार संयत्र की विभिन्न इकाइयों के कार्यसिद्धान्त और कार्यों से भी परिचित करवाया गया। छात्रों ने कई सवाल पूछे और वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने छात्रों के सवालों और सीवरेज के पानी से जीवाणु हटाने की प्रणाली के बारे में उनकी शंकाओं को भी दूर किया। विभाग के प्राध्यापक डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. हेमंत शर्मा, डॉ. छवि मंगला, प्रीति और अंजू ने भी

छात्रों का मार्गदर्शन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने विभाग के इस प्रयास की सराहना की। इस मौके पर विभाग के सहायक मनोज और विवेक शर्मा भी उपस्थित रहे।

एक है नास्तिक, वह अकड़ा हुआ है अहंकार से। एक है आस्तिक, वह कांप रहा है भय से। वे दोनों ही धार्मिक नहीं है। धार्मिक है तीसरा व्यक्ति,

दयानन्द महाविद्यालय के छात्रों ने किया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 21 अप्रैल : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के बीएससी मेडिकल (बॉटनी) के छात्रों के लिए उनके अध्ययन पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया। दौरे का उद्देश्य छात्रों को अपशिष्ट उपचार और पुन: उपयोग की प्रक्रिया से परिचित करना था। मौके पर उपस्थित कर्मचारियों ने ऐम.एल.डी.एस.टी.पी., हिसार में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। इस दौरे में छात्रों को ट्रीटमेंट प्लांट के सभी विवरणों और लाभों के बारे में जानकारी दी गई। उपचार प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में क्या होता है और विभिन्न दूषित पदार्थों को कैसे हटाया जाता है, इसका वर्णन करने वाली चरण-दर-चरण प्रक्रिया से छात्रों को अवगत करवाया गया। छात्रों को विभिन्न कक्ष दिखाए गए जहाँ सीवेज का सेंट्रिप्यूज किया जाता है। दौरे के दौरान छात्रों को उपचार संयत्र की

विभिन्न इकाइयों के कार्यसिद्धान्त और कार्यों से भी परिचित करवाया गया। यह दौरा छात्रों के लिए अपशिष्ट जल उपचार सयंत्र के कामकाज और प्रक्रिया के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में काफी मददगार था और यह भी सीखा कि इसका उपयोग सार्वजनिक उद्यानों और विभिन्न कृषि क्षेत्रों में सिंचाई के उद्देश्य से कैसे किया जा सकता है। दौरे के अंत में छात्रों ने कई सवाल पूछे और वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने छात्रों के सवालों और सीवेज के पानी से जीवाणु हटाने की प्रणाली के बारे में उनकी शंकाओं को भी दूर किया। विभाग के प्राध्यापक डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. हेमंत शर्मा, डॉ. छवि मंगला, प्रीति और अंजू ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने विभाग के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि समय-समय पर इस प्रकार के शैक्षिक कार्य होते रहने चाहिए। इस मौके पर विभाग के सहायक मनोज और विवेक शर्मा भी उपस्थित रहे।

40 MLD STP PHED HISAR
SEWERAGE TREATMENT PLANT
CAPACITY 40 MLD
RISHI NAGAR, HISAR
CAPITAL COST - 2974 LACS (STATE PLAN)
DATE OF COMMISSIONING - 22.01.2015